

X

हिंदी

अस्य क्व चथ जन के म
4 10 म के कुव म श
थिरुवनंतपुरम शैक्षिक जिला

Thiruvananthapuram Educational District



HINDI WORKSHEET

9

तिरुवनंतपुरम शैक्षिक जिला

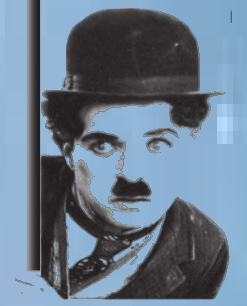
कार्य-पत्रिका 9

I

नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें




लड़का खेलने लगा
लड़के खेलने लगे
लड़की खेलने लगी
लड़कियाँ खेलने लगीं



 मैनेजर ज़िद ।

 लोग..... ।

 लोग म्याऊं-म्याऊं की आवाज़.....।

 माँ की आवाज़ फुसफुसाहट में तब्दील..... ।

 स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू।

 मैनेजर पैसा.....।

 चार्ली गाना.....।

 दर्शक तालियाँ.....।

 चार्ली।

 औरतें..... ।

(करने लगा / करनी लगी)

(चिल्लाने लगी / चिल्लाने लगे)

(निकालने लगी / निकालने लगे)

(होने लगी / होनी लगी)

(होनी लगी / होने लगी)

(बटोरने लगा / बटोरने लगी)

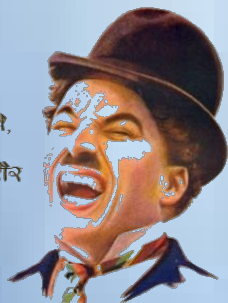
(गाने लगा / गाने लगे)

(बजाने लगा / बजाने लगे)

(नाचने लगा / नाचने लगी)

(गाने लगा / गाने लगीं)

एक आवाज़, एक खगड़न, एक कति,
एक खपने देखने वाला,
एक अकेला आदमी, हमेशा रोमांच और
रोमांच की उम्मीद करते हैं!
चार्ली चैपलिन



मैं हमेशा बारिश में टहलना
पसंद करता हूँ
ताकि कोई मुझे रोते हुये
ना देख सके.....



'दुनिया के सबसे बड़े शो मैग का यह पहला शो था।' सूचनाओं की सहायता से इस घटना पर एक रपट तैयार करें

सूचनाएँ

लोग शोर मचाने लगे तो मैनेजर की ज़िद पर माँ के बदले चार्ली स्टेज पर आया।

अचानक उसकी आवाज़ फुसफुसाहट में तब्दील हो गई।

चार्ली के इस व्यवहार ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया।

अपने सहज भोलेपन से उसने गाना गाया, दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और गायकों की नकल उतारी।

*
उसकी माँ हन्नाह चैप्लिन स्टेज पर गा रही थी।

*
हन्नाह चैप्लिन = चार्ली चैप्लिन की माँ

पाँच साल के बच्चे ने कमाल कर दिया

लंदन :- आज शहर के आल्डरशोट कैन्टीन हॉल में पाँच साल के चार्ली चैप्लिन नामक बच्चे ने कमाल कर दिया।



इसमें कोई संदेह नहीं कि यह बच्चा बड़ा होकर विश्व भर में बहुत नाम कमाएगा।

कल्पना करें कि आपके स्कूल में चार्ली चैप्लिन के फिल्मों का प्रदर्शन आयोजित है। सूचनाओं की सहायता से उसके लिए एक पोस्टर तैयार करें

..... स्कूल

तिरुवनंतपुरम



Thiruvananthapuram Educational District
 चार्ली चैप्लिन फिल्म - फेस्टिवल
 समय :



.....

12/11/2020

13/11/2020

14/11/2020

15/11/2020

16/11/2020

फिल्म

मॉडर्न टाइम्स

दि ग्रेट डिक्टेटर

दि किड

दि सर्कस

सिटी लाइट्स

प्रवेश निःशुल्क

.....
 सूचनाएं

स्कूल हॉल में



सुबह 10 बजे



सबका स्वागत



दिनांक



अपने स्कूल का नाम

"चार्ली का यह पहला शो था" उस दिन माँ के मन में विविध प्रकार के विचार उठ रहे थे। उन विचारों को लिखने में माँ की सहायता करें

उसने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया।

अपने भोले व्यवहार से उसने लोगों में गुदगुदी फैला दी।

अपमानित होकर मुझे स्टेज से हटना पड़ा।

स्टेज पर मेरी शो चल रही थी।

अचानक मेरी आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई।

पर चार्ली ने कमाल कर दिया।

मैनेजर की ज़िद पर चार्ली को मैंने स्टेज पर भेजा।

लोग चिल्लाने लगे।

20 मई 1894

आज का दिन मैं कैसे भूलूँ ?

मेरा बेटा स्टेज पर पहली बार आया और मैं शायद आखिरी बार।